1996 Israel Award

1997 Israel Award

डॉ. मिश्रा जग प्रसिद्ध एक जमीन (मृदा) वैज्ञानिक तथा कृषी सलाहकार है । ईजीप्त, घाना, मलेशीया, बांग्लादेश, इजरायेल जैसे विदेशो में कृषि सलाहकार तथा महाराष्ट्र में बहुत से चीनी मिलो के कृषि सलाहकार के रुप में तथा इन्डो-इजरायेल एग्रोटेक लिमिटेड, राजदीप केमिकल्स एन्ड फर्टीलाइझर्स लिमिटेड, डॉ. मिश्रा फर्टीलाईझर्स एन्ड केमिकल्स, प्रोपाइटर, डॉ. मिश्रा आर्गेनिक फार्मींग सर्टीफिकेशन एजन्सी प्रा. लिमिटेड, (वडोदरा) में शोध विकास विभाग प्रमुख के रुप में कार्यरत है । डॉ. मिश्रा का दूरदर्शन केन्द्र - दिल्ली, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई से कृषि सलाहकार के रुप में १८०० बार कार्यक्रम प्रसारित हो चुका है । डॉ. मिश्रा को इजरायेल सरकार द्वारा वर्ष १९९६ तथा वर्ष १९९७ में दो बार विशिष्ट अेवोर्ड मिला हुआ है । डॉ. मिश्राने गन्ना की खेती में नयी खोज कि है जिसे डॉ. मिश्रा झिग-झेग पट्टा पद्धति के रुप में जाना जाता है । टमाटर की खेती में टेलीफोन पद्धति की खोज उनकी देन है ।

फसल : शिमला मिर्च/हाइब्रीड मीर्च/बैगन/भिन्डी आदि सब्जियाँ के लिए

नर्सरी बेड तैयार करना:

शिमला मिर्च / हाइब्रीड मीर्च / बैगन पसल के लिए टमाटर फसल हेतु दिये गये सूचना के अनुसार रोप वाटिका करना आवश्यक होता है। टमाटर की खेती में दर्शाये गये निर्देशो का पालन करना आवश्यक होता है।

खेत की तैयारी:

रोपवाटिका में बीज डालने से २० वां दिवस पहले फर्टोनिक सेन्द्रीय खाद (सिटी कम्पोस्ट) या फर्टोनिक - फोस्फेट रीच सेन्द्रीय खाद (प्रोम) - १००किलो + मोफका सेन्द्रीय पोटास १५ किलो +१ किलो फर्टोमिटोड को मिलाकर खेत में भुरकाव करने के दूसरे दीन मोफका दानेदार एन.पी.के. 12:32:16 या 20:20:00 - ३००किलो + ईकोफर्ट -१०० किलो + २०kg माईक्रो-फर्ट -१५ किलो +मोफका - जिंक सल्फेट - ३३% - ३० किलो प्रति एकर के मान से खेत की भूरकाव करने के बाद, ट्रेक्टर से जुताई करके, रोटावहेटर फीराकर खेत को समतल करने के बाद, शिमला मीर्च / हाइब्रीड मीर्च / बैगन / को योग्य अंतर से रोपाइ करके हल्का पाणी देना चाहिँए । भीन्डी की खेती मे उपर लिखे गये सूचनाओ का पालन करते हुए ३ × ३ फुट के अन्तर पर खेतमें बीज बोना चाहिए तथा हल्का पानी देना चाहिए ।

बीज उग जाने के १५वे दिन:

- फर्टोनिक-२०० (रुट बायो केमिकल्स 50 ml) + 50 ml फर्टोनिक - १००० (स्ट्रेंथ बायो - केमिकल्स - 50 ml) + 15 ml - फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50 ml का अच्छी प्रकार से मिलाकर प्रति सीकर पंप के मान से पौधों पर अच्छी तरह से छिड़काव करें ।
- उपरोक्त छिड़काव के १५ दिन बाद फर्टोनिक -२००-५० मी.ली. + फर्टोनिक -१०००-५० मि.ली.+ फर्टीस्टीको १५ मी.ली. + नीमाडोल - 50ml का अच्छी तरह से घोल बनाकर पूरी फसल पर छिडकाव करें तथा पुन: १५ दिन बाद फर्टोनिक - २०० + फर्टोनिक - १००० + फर्टीस्टीको + नीमाडोल - 50ml को अच्छी तरह से घोल बनाकर छिड़काव करें, इसी अनुपात को फसल कटने तक हर २० दिन में इसी तरीके से लगातार छिड़काव करें ।

डॉ. ऐ. के. मिश्रा
(M.Sc. Agri, Ph.D. Soil Science)
प्रमुख - शोध विकास विभाग